1. श्रम विभाजन और जाति प्रथा

श्रम विभाजन और जाति प्रथा लेखक परिचय

- बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 ई० में महु, मध्यप्रदेश में एक दलित परिवार में हुआ था । मानव मुक्ति के पुरोधा बाबा साहेब अपने समय के सबसे पढे लिखे लोगों में से एक थे । प्राथमिक शिक्षा के बाद बड़ौदा नरेश के प्रोत्साहन पर उच्चतर शिक्षा के लिए न्यूयार्क (अमेरिका), फिर वहाँ से लंदन (इंग्लैंड) गए । उन्होंने संस्कृत का धार्मिक, पौराणिक और पूरा वैदिक वाङ्मय अनुवाद के जरिये पढ़ा और ऐतिहासिक-सामाजिक क्षेत्र में अनेक मौलिक स्थापनाएँ प्रस्तुत की। सब मिलाकर वे इतिहास मीमांसक, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री, शिक्षाविद् तथा धर्म-दर्शन के व्याख्याता बनकर उभरे । स्वदेश में कुछ समय उन्होंने वकालत भी की। समाज और राजनीति में बेहद सक्रिय भूमिका निभाते हुए उन्होंने अछूतों, स्त्रियों और मजदूरों को मानवीय अधिकार व सम्मान दिलाने के लिए अथक संघर्ष किया। उनके चिंतन व रचनात्मकता के मुख्यत: तीन प्रेरक व्यक्ति रहे – बुद्ध, कबीर और ज्योतिबा फुले। भारत के संविधान निर्माण में उनकी महती भूमिका और एकनिष्ठ समर्पण के कारण ही हम आज उन्हें भारतीय संविधान का निर्माता कह कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । दिसंबर, 1956 ई० में दिल्ली में बाबा साहेब का निधन हो गया ।
- बाबा साहेब ने अनेक पुस्तकें लिखीं । उनकी प्रमुख रचनाएँ एवं भाषण हैं – 'द कास्ट्स इन इंडिया : देयर मैकेनिज्म', जेनेसिस एंड डेवलपमेंट', 'द अनटचेबल्स, हू आर दे', 'हू आर शूद्राज', बुद्धिज्म एंड कम्युनिज्म', बुद्धा एण्ड हिज धम्मा', 'थाट्स ऑन लिंग्युस्टिक स्टेट्स', 'द राइज एंड फॉल ऑफ द हिन्दू वीमेन', 'एनीहिलेशन ऑफ कास्टआदि । हिंदी में उनका संपूर्ण वाङ्मय भारत सरकार के कल्याण मंत्रालय से 'बाबा साहब अंबेदकर संपूर्ण वाङ्मय' नाम से 21 खंडों में प्रकाशित हो चुका है।

- यहाँ प्रस्तुत पाठ बाबा साहेब के विख्यात भाषण 'एनीहिलेशन ऑफ कास्ट' के ललई सिंह यादव द्वारा किए गए हिंदी रूपांतर 'जाति-भेद का उच्छेद' से किंचित संपादन के साथ लिया गया है । यह भाषण 'जाति-पाति तोड़क मंडल' (लाहौर) के वार्षिक सम्मेलन (सन् 1936) के अध्यक्षीय भाषण के रूप में तैयार किया गया था, परंतु इसकी क्रांतिकारी दृष्टि से आयोजकों की पूर्णत: सहमति न बन सकने के कारण सम्मेलन स्थगित हो गया और यह

पढ़ा न जा सका । बाद में बाबा साहेब ने इसे स्वतंत्र पुस्तिका का रूप दिया। प्रस्तुत आलेख में वे भारतीय समाज में श्रम विभाजन के नाम पर मध्ययुगीन अवशिष्ट संस्कारों के रूप में बरकरार जाति प्रथा पर मानवीयता, नैसर्गिक न्याय एवं सामाजिक सद्भाव की दृष्टि से विचार करते हैं । जाति प्रथा के विषमतापूर्वक सामाजिक आधारों, रूढ़ पूर्वग्रहों और लोकतंत्र के लिए उसकी अस्वास्थ्यकर प्रकृति पर भी यहाँ एक संभ्रांत विधिवेत्ता का दृष्टिकोण उभर सका है । भारतीय लोकतंत्र के भावी नागरिकों के लिए. यह आलेख अत्यंत शिक्षाप्रद है।

- पाठ का सारांश :
- प्रस्तुत पाठ में लेखक महोदय ने जाति प्रथा के कारण समाज उत्पन्न रूढ़िवादिता एवं लोकतंत्र पर खतरा को चित्रित किया है।

- आज के वैज्ञानिक युग में भी "जातिवाद" के पोषकों की कमी नहीं है। उनका तर्क है कि आधुनिक समाज 'कार्य-कुशलता' के लिए श्रम विभाजन को आवश्यक मानता है। चूंकि जाति-प्रथा भी श्रम-विभाजन का दूसरा रूप है। परन्तु जाति-प्रथा के कारण श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन, विभाजित वर्गों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊँच-नीच भी करार देती है, जो विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता।
- अस्वाभाविक श्रमविभाजन के कारण मनुष्य स्वतंत्र रूप से अपनी पेशा का चुनाव नहीं कर सकता। माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पेशा निर्धारित कर दिया जाता है। मनुष्य को जीवन भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है। भले ही पेशा अनुपयुक्त और अपर्याप्त होने के कारण वह. भूखों मर जाए। पैतृक पेशा में वह पारंगत नहीं हो इसके बाद भी चुनाव करना पड़ता है। जाति-प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

- इस प्रकार हम देखते हैं कि श्रम विभाजन की दृष्टि से भी जाति प्रथा गंभीर दोषों से युक्त है। आज के उद्योगों में गरीबी और उत्पीड़न इतनी बड़ी समस्या नहीं जितनी यह कि बहुत से लोग 'निर्धारित कार्य को 'अरूचि' के साथ विवशतावश करते हैं। ऐसी परिस्थिति में

स्वभावतः मनुष्य को दुर्भावना से ग्रस्त रहकर टालू काम करने और कम काम करने के लिए प्रेरित करती है। आर्थिक पहलू से भी जाति प्रथा हानिकारक प्रथा है।

- लेखक की दृष्टि में आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृत्व पर आधारित होगा। भ्रातृत्व अर्थात् भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है। आदर्श समाज में गतिशीलता होनी चाहिए कि वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे छोर तक संचारित हो सके। दूध-पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है। और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र मूलतः सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है। इसमें यह आवश्यक है कि अपने साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव हो।

1. श्रम विभाजन और जाति प्रथा

लेखक → डॉ० भीम राव अम्बेदकर

जन्म → 14 अप्रैल 1891 महु मध्यप्रदेश (दलित परिवार)

शिक्षा → अमेरिका एवं इंग्लैंड

माता → भीमाबाई

पिता → रामजी सकपाल

वकालत → इन्होंनों कुछ दिन तक'स्वदेश' में वकालत किए।

प्रमुख व्यक्ति → बुद्ध, कबीर और ज्योतिबा फुले इन्हें प्रभावित किया

अन्य नाम → बाबा साहब, संविधान निर्माता, संविधान जनक

प्रमुख रचना → द कास्ट इन इंडिया, देयर मेकेनिज्म, बुद्धा और धम्मा, ऐनिहिलेशन ऑफ कास्ट

* ऐनिहिलेशन ऑफ कास्ट का हिंदू रूपांतर कब और किसने किया था ?

Ans - ललई सिंह यादव 1936 में।

* मृत्यु → दिसंबर1956 में (दिल्ली)

* संपूर्ण वाडमय को 21 खंडों में विभाजित किया गया है।

- Objective -

1. श्रम विभाजन ओर जाति प्रथा के लेखक कौन है ?

Ans – भीम राव अंबेडकर

2. अम्बेदकर का जन्म कहा और कब हुआ ?

Ans - 14 Apr 1891 में महू मध्यप्रदेश

3. श्रम - विभाजन और जाती प्रथा पाठ की विधा क्या है ?

Ans - निबंध

4. ऐनिहिलेशन ऑफ कास्ट का हिन्दी रूपांतर किसने किया ?

Ans - ललाई सिंह यादव

5. श्रम विभाजन और जाति प्रथा पाठ बाबा साहब के किस भाषण का अंश है ?

Ans - एनीहिलेशन ऑफ कास्ट

6. भीमराव अम्बेदकर के प्रमुख प्रेरक व्यक्ति थे ?

Ans - बुद्ध, कबीर, ज्योतिबा फुले

7.आदर्श समाज स्वतंत्रता समानता, मातृत्व पर आधारित है कहाँ?

Ans - भारत मे

8.आधुनिक सभ्य समाज श्रम विभाजन को क्यों आवश्यक मानते हैं ?

Ans - कार्य कुशलता के लिए

9.भारत में बेरोजगाड़ी का प्रमुख कारण है ?

Ans - जातिप्रभा

10. संविधान निर्माण अम्बेदकर के अनुसार आदर्श समाज किस पर आधारित होगा ?

Ans- स्वतंत्रता, समता, भ्रातृत्वा

11. भीमराव आम्बेदकर किस विडंबना की बात करते हैं ?

Ans - आज के समाज में भी जातिवाद के पोषक की कमी नही है।

12.अबेदकर के अनुसार भाईचारा का वास्तविक रूप है ?

Ans- दूध और पानी का मिश्रण

13.जाति प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्व निर्धारण ही नही करती है बल्कि मनुष्य को जीवनभर के लिए एक पेशे में बाँध देती है, प्रस्तुत गद्यांश का लेखक है ?

Ans – डॉ भीम राव अम्बेदकर

14. बुद्धा एवं हिज धम्मा का लेखक कौन है ?

Ans -भीम राव अम्बेदकर

15. हू आर सुद्राज किसकी रचना है ?

Ans - भीम राव अम्बेदकर

16. भास्चारे का दूसरा नाम क्या है ?

Ans – लोकतंत्र

17. अंबेदकर ने किसको मानवीय अधिकार व समय दिलाने के लिए अधिक संघर्ष किया था ?

Ans - अछूतों को

18. किनके प्रोत्साहन पर अम्बेडकर उच्चतर शिक्षा के लिए न्यूयार्क गये ?

Ans - बड़ौदा नरेश

- Subjective -

1. लेखक किस विडंबना की बात करते है। विडंबना का स्वरूप है?

Ans - लेखक के लिए विडंबना की बात यह है कि, आधुनिक युग में जातिवाद की पोषक की कमी नहीं है।

2. जातीवाद के पोषक उसके पक्ष में क्या तर्क देता है ?

Ans - जातीवाद के पोषक इस आधुनिक समाज में 'कार्य कुशलता' के लिए श्रम विभाजन की आवश्यक मानता है और कहते है, कि- जातिप्रथा भी श्रम विभाजन का ही दूसरा रूप है। इसलिए इसमें कोई बुराई नही है |

3. जातिवाद के पक्ष में दिए गए तर्कों पर लेखक की प्रमुख आपत्तियाँ क्या है ?

Ans - जातिवाद के पक्ष में दिए गए तर्कों पर लेखक की पहली अपत्ति यह है, कि जाति प्रथा श्रम विभाजन के साथ-साथ श्रमिक विभाजन का रूप लिया है श्रम विभाजन निश्चय ही सभ्य समाज की आवश्यकता है, परंतु किसी भी सभ्य - समाज में कार्य के साथ- साथ लोगों का विभाजन सही नही है|

4. जातिप्रथा भारतीय समाज में श्रम -विभाजन का स्वाभाविक रूप क्यों नही कही जा सकती है ?

Ans - भारत का जाति प्रथा की एक और विशेषता यह है, कि "यह श्रमिकों का अस्वभाविक विभाजन ही नही करती बल्कि श्रमिकों को एक दूसरे से ऊँचे – नीचे को दर्शाता है। जो विश्व के किसी भी समाज में नही पाये जाते है |

5. जाति प्रथा भारत में बेरोजगारी का प्रमुख और प्रत्यक्ष कारण कैसे बनी हुई है ?

Ans - भारत में जाति प्रथा लोगों को कोई भी ऐसा कार्य नही चुनने देती है जो उनके पुर्वजों ने नही किया हो लोग अपने पूर्वजों का ही कार्य चुनते हैं। जिसके कारण जाति प्रथा भारत में बेरोजगारी का प्रमुख और प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है|

6. लेखक आज के उद्योगों में गरीबी और उत्पीड़न से भी बड़ी समस्या किसे मानती है और क्यों ?

Ans - लेखक गरीबी और उत्पीड़न से भी बड़ी समस्या जाति प्रथा को मानते हैं क्योंकि जाति प्रथा लोगों को उनको स्वभाव के अनुसार कार्य चुनने की अनुमति नही देती है |

7. लेखक ने पाठ में किन प्रमुख पहलुओं से जाति प्रथा को एक हानिकारक प्रथा के रूप में दिखाया है ?

Ans - इस पाठ में लेखक ने कई पहलुओं से जाति प्रथा को एक हानिकारक प्रथा बताया है। जिसमें आर्थिक और रचनात्मक पहलू प्रमुख है |

8. सच्चे लोकतंत्र की स्थापना के लिए लेखक ने किन विशेषताओं को आवश्यक माना है?

Ans- लोकतंत्र की स्थापना के लिए लेखक ने लोगों के बीच दूध और पानी के मिश्रण जैसा भाइचारे को आवश्यक माना है |

1. श्रम विभाजन और जाति प्रथा

1. श्रम विभाजन और जाति प्रथा के लेखक कौन हैं ?

(A) भीमराव अंबडकर

(B) राम विलास शर्मा

(C) गुणाकर मुले

(D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

Ans – (A)

2. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का जन्म कब हुआ था ?

(A) 14 अप्रैल 1891 ई० में

(B) 20 अप्रैल 1892 ई० में

(C) 24 अप्रैल 1893 ई० में

(D) 28 अप्रैल 1894 ई० में

Ans – (A)

3. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का जन्म किस राज्य में हुआ ?

(A) बिहार

(B) मध्यप्रदेश

(C) गुजरात

(D) महाराष्ट्र

Ans – (B)

4. श्रम विभाजन और जाति प्रथा' गद्य की कौन-सी विधा है ?

(A) कहानी

(B) नाटक

(C) निबंध

(D) आत्मकथा

Ans – (C)

5. भीमराव अंबेडकर के विख्यात भाषण 'एनीहिलेशन ऑफ कास्ट' का हिन्दी रूपांतरण किसने किया ?

(A) ददई सिंह यादव

(B) ललई सिंह यादव

(C) रूपक सिंह यादव

(D) ललन सिंह यादव

Ans – (B)

6. भारतीय संविधान के निर्माता किन्हें कहा जाता है ?

(A) महात्मा गाँधी

(B) राजेन्द्र प्रसाद

(C) भीमराव अंबेडकर

(D) जवाहर लाल नेहरू

Ans – (C)

7. श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ बाबा साहेब के किस भाषण का संपादित अंश है ?

(A) द कास्ट्स इन इंडिया देयर मैकेनिज्म

(B) जेनेसिस एंड डेवलपमेंट

(C) एनीहिलेशन ऑफ कास्ट

(D) हू आर शूद्राज

Ans – (C)

8. भीमराव अंबेडकर के मुख्यतः प्रेरक व्यक्ति रहे हैं ?

(A) बुद्ध

(B) कबीर

(C) ज्योतिवा फुले

(D) उपर्युक्त सभी

Ans – (D)

9. आदर्श समाज स्वतंत्रता, समानता, भ्रातृत्व पर आधारित होगा किसने कहा?

(A) मैक्समूलर

(B) भीमराव अंबेडकर

(C) बिरजू महाराज

(D) अज्ञेय

Ans – (B)

10. आधुनिक सभ्य समाज श्रम विभाजन को आवश्यक क्यों मानता है ?

(A) कार्य-कुशलता के लिए

(B) भाईचारे के लिए

(C) रूढ़िवादि के लिए

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (A)

11. भारत में बेरोजगारी का मुख्य कारण है -

(A) जाति प्रथा

(B) दहेज प्रथा

(C) अशिक्षा

(D) भ्रष्टाचार

Ans – (A)

12. समाज और राजनीति में बेहद सक्रिय भूमिका निभाते हुए अंबेडकर ने किनको मानवीय एवं अधिकार दिलाने के लिए अनेक प्रयास किये ?

(A) अछूतों

(B) स्त्रियों

(C) मजदूरों

(D) उपर्युक्त सभी

Ans – (D)

13. संविधान निर्माता अंबेडकर के अनुसार आदर्श समाज किस पर आधारित होना चाहिए ?

(A) स्वतंत्रता

(B) समता

(C) भ्रातृत्व

(D) उपर्युक्त सभी पर

Ans – (D)

14. भीमराव अंबेडकर किस विडंबना की बात करते हैं ?

(A) इस युग में भी जातिवाद के पोषकों की कमी नहीं है

(B) जातिप्रथा श्रम विभाजन का स्वभाविक रूप है

(C) जातिप्रथा बेरोजगारी का एक प्रमुख कारण हैं

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (A)

15. अंबेडकर के अनुसार भाईचारे का वास्तविक रूप क्या है ?

(A) शहद की तरह

(B) दूध-पानी के मिश्रण की तरह

(C) शक्कर और पानी के मिश्रण की तरह

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (B)

16. लेखक भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण किसे मानते हैं ?

(A) कार्य अकुशलता

(B) जातिप्रथा

(C) उद्योग धंधों की कमी

(D) प्रतिकूल परिस्थितियाँ

Ans – (B)

17. जाति प्रथा को श्रम विभाजन मान लिया जाए तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। यह कथन किस पाठ का है ?

(A) शिक्षा और संस्कृति

(B) श्रम विभाजन और जातिप्रथा

(C) मछली

(D) नौबतखाने में इबादत

Ans – (B)

18. जाति प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्व निर्धारण ही नहीं करती बल्कि मनुष्य को जीवनभर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है ? प्रस्तुत गद्यांश के रचनाकर हैं —

(A) राजेन्द्र प्रसाद

(B) नलिन विलोचन शर्मा

(C) अमरकांत

(D) भीमराव अंबेडकर

Ans – (D)

19. यह विडंबना की बात है कि इस युग में भी 'जातिवाद' के पोषकों की कमी नहीं है। यह कथन किस पाठ का है ?

(A) विष के दाँत

(B) श्रम विभाजन और जाति प्रथा

(C) भारत से हमने क्या सीखा

(D) नाखून क्यों बढ़ते हैं

Ans – (B)

20. जाति प्रथा का श्रम विभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर निर्भर नहीं रहता। मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रुचि का इसमें कोई स्थान अथवा महत्त्व नहीं रहता। प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से उद्धृत है ?

(A) जित, जित मैं निरखत हूँ

(B) आविन्यों

(C) श्रम विभाजन और जातिप्रथा

(D) मछली

Ans – (C)

21. बुद्धा एण्ड हिज धम्मा' के लेखक कौन हैं ?

(A) नलिन विलोचन शर्मा

(B) गुणाकार मुले

(C) भीमराव अंबेडकर

(D) बिरजू महाराज

Ans – (C)

22. 'हू आर शूद्राज' किसकी रचना है ?

(A) महात्मा गांधी

(B) यतीन्द्र मिश्र

(C) भीमराव अंबेडकर

(D) मैक्समूलर

Ans – (C)

23. भाई चारे का दूसरा नाम है ?

(A) राजतंत्र

(B)लोकतंत्र

(C) श्रम

(D) सहयोग

Ans – (B)

24. अंबेडकर ने किनको मानवीय अधिकार व सम्मान दिलाने के लिए अधिक संघर्ष किया ?

(A) अछूतों

(B) स्त्रियों

(C) मजदूरों

(D) उपर्युक्त सभी को

Ans – (D)

25. किनके प्रोत्साहन पर अंबेडकर उच्चतर शिक्षा के लिए न्यूयार्क गए ?

(A) बड़ौदा नरेश

(B) ग्वालियर नरेश

(C) जयपुर नरेश

(D) महात्मा गांधी

Ans – (A)

26. 'द कास्ट इन इण्डिया' किसके द्वारा लिखा गया है ?

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(B) भीमराव अम्बेडकर

(C) अमरकांत

(D) मैक्समूलर

Ans – (B)

27. भारत सरकार के कल्याण मंत्रालय से 'बाबा साहब अंबेडकर संपूर्ण वाङ्मय' कितने खंडों में प्रकाशित हो चुका है ?

(A) 15

(B) 20

(C) 21

(D) 25

Ans – (C)

28. श्रम विभाजन और जाति प्रथा' भाषण लाहौर के किस वार्षिक सम्मेलन के लिए तैयार किया गया था ?

(A) 1936

(B) 1937

(C) 1938

(D) 1940

Ans – (A)

29. इस युग में भी 'जातिवाद' के पोषकों की कमी नहीं है। लेखक के अनुसार यह कैसी बात है ?

(A) सम्मान की बात है

(B) विडंबना की बात है

(C) आदर्श बात है

(D) गौरव की बात है

Ans – (B)

30. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का निधन हुआ -

(A) 1950

(B) 1952

(C) 1956

(D) 1960

Ans – (C)

31. महू, मध्यप्रदेश किनका जन्म स्थान है ?

(A) भीमराव अंबेडकर

(B) महात्मा गांधी

(C) मैक्समूलर

(D) बिस्मिल्ला खाँ

Ans – (A)

32.'देयर मैकेनिज्म' किनकी कृति है ?

(A) यतीन्द्र मिश्र

(B) रामविलास शर्मा

(C) महात्मा गांधी

(D) भीमराव अम्बेडकर Ans – (D)

33. 'विडंबना' का अर्थ है -

(A) समर्थक

(B) पालक

(C) उपहास

(D) अचानक

Ans – (C)

34. भारत में जाति-प्रथा का मुख्य कारण क्या है ?

(A) बेरोजगारी

(B) गरीबी

(C) उद्योग धंधों की कमी

(D) अमीरी

Ans – (A)

35.'मानव मुक्ति के पुरोधा' किसे कहा या है ?

(A) नलिन विलोचन शर्मा

(B) यतीन्द्र मिश्र

(C) भीमराव अंबेडकर

(D) अमरकांत

Ans – (C)

Pdf, Notes OR Test Series लेने के लिए हमें WhatsApp करे - 7870818577